प्रेस विज्ञप्ति

बिहार पुलिस मुख्यालय,

दिनांक–30.10.2023 (सं0–351)

महिला हेल्प डेस्क

वर्तमान परिवेश में महिलाओं की जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त भूमिका है। विभिन्न कारणों यथा शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, क्रीड़ा इत्यादि से महिलाओं को अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु घर के बाहर जाना होता है। कभी कभी घर के अन्दर घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, दुर्व्यवहार तथा घर के बाहर छेड़खानी, यौन उत्पीड़न, व्यभिचार इत्यादि समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे कई दृष्तांत देखने को मिले हैं जिसमें महिलाएँ उनके विरुद्ध होने वाले संकोचवश तथा अनुकूल वातावरण उपलब्ध नहीं होने के कारण आपराधिक कृत्यों के विधिक निवारण हेतु शिकायत नहीं अंकित कराती हैं।

विशेषकर महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के उत्थान तथा पीड़ित महिलाओं को ससमय सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में बिहार पुलिस का कमजोर वर्ग प्रभाग निरन्तर प्रयासरत है। कमजोर वर्ग के अन्तर्गत महिला अपराध कोषांग का गठन किया गया है तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के मामले में राज्य के सभी थानों को महिलाओं के अनुकूल सुलभता से पहुँच योग्य बनाने एवं वांछित सहयोग प्रदान करने हेतु प्रथम सम्पर्क बिन्दु के रूप में राज्य के प्रत्येक थाने में थानों के अभिन्न अंग के रूप में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गयी है।

दिनांक 26.02.2023 को माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के द्वारा विधिवत महिला हेल्प डेस्क का राज्य स्तर पर उदघाटन किया गया है।

महिला डेस्क का उद्देश्य

1. थाना में आगमन पर उपयुक्त प्रथम सम्पर्क केन्द्र स्थापित करना।
2. थाना में महिलाओं के लिए सहयोग व सौहार्दपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना।
3. महिलाओं/पीड़ितों के मन में कानून एवं पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना ताकि वे बेहिचक निडरता पूर्वक अपनी बातें रख सकें।
4. महिलाओं को पुलिस की कार्यप्रणाली एवं उनकों प्रदत्त विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना।

महिला के साथ महिला हेल्प डेस्क का आचरण/व्यवहार

1. आगंतुक महिलाओं को अतिथिवत सम्मान करना है। उन्हें तथा उनके परिजनों को बैठने हेतु स्थान देना, पीने का पानी देना इत्यादि।
2. पीड़िता के साथ मृदु भाषा में वार्ता कर अपना परिचय देना है तथा उनका परिचय प्राप्त करना है।
3. यदि पीड़िता को चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता है तो सर्वप्रथम उसकी चिकित्सा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में करानी है।
4. यदि शिकायतकर्ता महिला आश्रयहीन हो तो निकटवर्ती अल्पावास गृह/बालिका गृह में आश्रय की व्यवस्था करानी है।
5. यदि शिकायतकर्ता डायल 112 या किसी अन्य दूरभाष के माध्यम से प्राप्त होती है तो अविलम्ब महिला के निवास स्थान/उपस्थिति स्थल पर पहुँचकर कार्रवाई करनी है।

महिला हेल्प डेस्क से सम्बन्धित उपलब्धियाँ

1. राज्य में अब तक प्रथम चरण में 500 एवं द्वितीय चरण में 350 अर्थात **कुल 850 थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना** की गयी है।

2. राज्य के 44 जिलों में महिला हेल्प डेस्क में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों/कर्मियों को महिला हेल्प डेस्क हेतु निर्गत एस0ओ0पी0 के अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया।

3. कुल 850 महिला हेल्प डेस्क में 475 महिला पुलिस पदाधिकारी एवं 1982 महिला पुलिसकर्मी प्रतिनियुक्त हैं।

4. राज्य के 850 थानों में महिला हेल्प डेस्क के स्थापित होने के पश्चात प्रेस को महिला डेस्क की कार्रवाई के मई तक के आँकड़े साझा किये गये थें। मई तक 19666 महिलाएँ अपनी समस्या लेकर महिला हेल्प डेस्क गयी थीं जबकि अगस्त 2023 तक कुल 47116 महिलाएँ अपनी समस्याओं को लेकर महिला हेल्प डेस्क में गयी हैं, जिसमें मई तक 5382 मामलों में अब अगस्त 2023 तक 11818 मामलों में प्राथमिकी अंकित कर अनुसंधान किया जा रहा है, मई तक 1314 मामलों को अब अगस्त 2023 तक 2953 मामलों को अन्य विभागों के पास अग्रसारित किया गया है तथा मई तक 12970 मामलों को अब अगस्त 2023 तक 32345 मामलों में असंज्ञेय/निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है। इस प्रकार आँकड़ों से स्पष्ट है कि महिला हेल्प डेस्क तक पीड़ित तथा जरूरतमंद महिलाओं की पहुँच बढ़ रही है तथा महिला हेल्प डेस्क के द्वारा यथोचित कार्रवाई कर उन्हें विधिक लाभ प्रदान किया जा रहा है।

5. राज्य के कुल 850 थानों में स्थापित महिला डेस्क में महिला हेल्प डेस्क का बैनर लगा दिया गया है।

6. राज्य में कुल 850 थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क में 296 शहरी थानों में तथा 554 ग्रामीण थानों में हैं।

850 स्थापित थानों में महिला हेल्प डेस्क से संबंधित मासिक आँकड़ा (मार्च से अगस्त, 2023 तक)

क्रमांक	जिला का नाम	महिला हेल्प डेस्क स्थापित थानों का नाम	कुल प्राप्त शिकायतों की संख्या	प्राप्त शिकायत पर की गई कार्यवाही		
				असंज्ञेय/निरोधात्मक मामलों की संख्या एवं की गई कार्यवाही	प्राथमिकी दर्ज मामलों की संख्या	अन्य को अग्रसारित मामलों की संख्या
1	पटना	71	1953	1217	580	156
2	नालंदा	33	1747	1278	453	16
3	गया	43	5071	3345	1200	526
4	औरंगाबाद	30	899	617	183	99
5	नवादा	18	1051	731	222	98
6	जहानाबाद	11	364	65	216	83
7	अरवल	8				
8	बक्सर	15	1294	946	346	2

9	भोजपुर	27	1324	1005	285	34
10	रोहतास	30	644	490	116	38
11	कैमूर	15	1023	797	206	20
12	मुजफ्फरपुर	30	2600	1402	928	270
13	वैशाली	23	2166	1322	527	317
14	शिवहर	8	386	340	46	0
15	सीतामढ़ी	25	1776	781	733	262
16	बेतिया	23	3406	2699	614	93
17	बगहा	13	594	415	179	0
18	मोतिहारी	35	585	86	310	189
19	सारण	27				
20	सीवान	20	2284	1707	506	71
21	गोपालगंज	18	2138	1856	228	54
22	दरभंगा	25	875	676	191	8
23	मधुबनी	27	1412	759	532	121
24	समस्तीपुर	25	1308	803	496	9
25	सहरसा	10	640	328	197	115
26	सुपौल	14	12	3	5	4
27	मधेपुरा	12	677	432	180	65
28	पूर्णिया	17	1099	826	260	13
29	किशनगंज	14	1168	1049	119	0
30	कटिहार	16	1553	1219	320	14
31	अररिया	13	1328	888	364	76
32	भागलपुर	22	459	216	237	6
33	बांका	15	1990	1499	410	81
34	नवगछिया	7	384	284	100	0
35	मुंगेर	14	587	526	61	0
36	शेखपुरा	8	62	28	32	2
37	जमुई	15	846	605	183	58
38	लखीसराय	12	299	184	97	18
39	बेगूसराय	21	1086	899	152	35
40	खगड़िया	13				
41	रेल पटना	9				
42	रेल मुजफ्फरपुर	7	26	22	4	0
43	रेल कटिहार	8				
44	रेल जमालपुर	3				
कुल		**850**	**47116**	**32345**	**11818**	**2953**

XXXXX